दिल्ली-पालम। थाना अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सैनी,पालम कॉलोनी एवं अन्य पुलिस कर्मियों को राखी बांधने के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. सरोज दीदी, ब्र.कु. अमर सिंह भाई तथा अन्य।

तिंदवारी-बांदा(उ.प्र.)। अध्यक्ष सुधा साहू को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. साधना बहन। साथ हैं प्रतिनिधि रमेश साहू व ब्र.कु. पुष्पेन्द्र भाई।

झुंझुनू-राज.। राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह के अधीक्षक अंकित कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. साक्षी बहन, ब्र.कु. जगदीश भाई व ब्र.कु. रतन लाल भाई।

हल्द्वानी-रामपुर रोड(उत्तराखंड)। 34बटालियन के कमांडेंट अनिल सिंह बिष्ट को राखी बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन।

रूरा-कानपुर देहात(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में नगर पालिका अध्यक्ष राम गुप्ता को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् पौधा भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति बहन व वंदना बहन।

कथा सरिता

पुराने समय में एक संत अपने शिष्यों के साथ धर्म प्रचार करने के लिए यात्रा कर रहे थे। इस दौरान में अलग-अलग जगहों पर रूकते और लोगों को उपदेश देते थे। एक दिन वे ऐसी जगह पहुंचे जहाँ कुछ निर्माण कार्य चल रहा था।

संत उस जगह पर पहुंचे तो वहाँ कई मजदूर पत्थरों को तराश रहे थे। एक संत ने पूछा कि यहाँ क्या बनेगा?

दूसरे मजदूर ने कहा कि गुरूजी मुझे इस बात से क्या मतलब, यहाँ कुछ भी बने। मैं यहाँ सिर्फ मजदूरी के लिए काम कर रहा हूँ। दिनभर काम करने के बाद शाम को पैसे मिल जाते हैं।

संत वहाँ से आगे चल दिए। अब वे एक और मजदूर के पास पहुंचे। तीसरे मजदूर से संत ने पूछा कि यहाँ क्या बन रहा है? वह मजदूर गुस्से में था। उसने जोर से कहा कि मुझे नहीं मालूम,आगे जाओ बाबा। संत वहाँ से आगे बढ़ गए। वे दूसरे मजदूर के पास पहुंचे। उससे भी मजदूर से भी संत ने यही पूछा कि इस जगह पर क्या बन रहा है?

तीसरे मजदूर ने संत को प्रणाम किया और बोला कि गुरूजी यहाँ मंदिर बन रहा है। गांव में मंदिर नहीं था। अब पूजा करने के लिए दूसरे गांव नहीं जाना पड़ेगा।

संत ने उससे फिर पूछा कि क्या तुम्हें इस काम में खुशी मिलती है?

मजदूर बोला कि मंदिर बनने से मैं बहुत खुश हूँ। मुझे इस काम में बहुत आनंद मिलता है। छेनी-हथौड़ी की आवाज़ में मुझे संगीत सुनाई देता है।

सुखी जीवन का सूत्र

ये बात सुनकर संत ने अपने शिष्यों से कहा कि यही सुखी जीवन का सूत्र है। जो लोग अपने काम को बोझ मानते हैं, वे हमेशा दुःखी रहते हैं और जो लोग अपने काम को प्रसन्न होकर करते हैं वे हमेशा सुखी रहते हैं। अगर हम अपना नज़रिया बदल लेंगे तो जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिल सकती है।

अयोध्या-उ.प्र.। उदासीन आश्रम के महंत डॉ. भरत दास जी को ज्ञान चर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुधा बहन, ब्र.कु. उषा बहन व अन्य ब्र.कु. बहनें।

फाजिलनगर-उ.प्र.। रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् थानाध्यक्ष राकेश रोशन सिंह व अन्य पुलिस अधिकारियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भारती दीदी। साथ हैं ब्र.कु. सुमित्रा बहन, ब्र.कु. सावित्री बहन, ब्र.कु. सूरज भाई व ब्र.कु. उदयभान भाई।

भुवनेश्वर-ओडिशा। 'व्यसन मुक्त ओडिशा' कार्यक्रम के तहत शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं अधिकारिता मंत्री नित्यानंद गोंड द्वारा यूनिट 9,भुवनेश्वर में 'नशे की लत से मुक्ति' अभियान के दूसरे चरण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरविंद ढाली,पूर्व मंत्री परिवहन विभाग, ब्र.कु. गीता दीदी,मुख्य वक्ता,उप-क्षेत्र प्रभारी यूनिट 9 भुवनेश्वर, ब्र.कु. अरुण साहू,सहायक महाप्रबंधक,एनटीपीसी(समन्वयक) तथा ब्र.कु. राजीव,प्रेरक वक्ता सहित 200 अतिथि, स्वयंसेवक और शुभचिंतक शामिल हुए।

अल्मोड़ा-उत्तराखंड। एस.एस.जे. विश्वविद्यालय,अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीलम बहन। साथ हैं हेमेंद्र भाई व अन्य।